anything more is required than what the Prim Minister has stated hers. I do not think anything more is required than what the Prime Minister has stated here. I do not think that there, is any kind of discussion. . . *{Interruptions)* . But since we are meeting at 4 o'clock in the Business Advisory Committee, certainly we would like to consult the Chairman also in this matter.

THE DEPUTY CHAIRMAN: What I feel is. . . *(Interruptions).* I have a suggestion, please. As the Home Minister and Leader of the House has suggested, the procedure will be decided in the BAC. Whether the Business Advisory Committee take it up or not, it cannot be decided in this House. That matter is closed now. Pandeyji.

## RE BOMB EXPLOSIONS IN

डा० रत्नाकर पांडेय (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदया, पिछले तीन दिनों के भीतर दिल्ली में तीन बम विस्फोटो की घटनाएं हुई हैं । इसकी शुरूआत 29 जनवरी को हुई जब कि तिमारपुर क्षेत्र में एक डी० टी० सी० के बस में शक्तिशाली बम फटने से 4 लोग मारे गए और 27 लोग घायल हुए । 23 तारीख को पहाड़गंज के लूमा होटल में 14 व्यक्ति घायल हुए जिनमें कुछ विदेशी भी थें । तीसरा विस्फोट 25 अप्रैल की रात को लाल किले के पास एक डी० टी० सी० बस में हुआ जिसमें 8 व्यक्ति घायल हुए और कल उर्दू बाजार में एक बच्चा क्रिकेट खेलता हुआ मारा गया और पांच व्यक्ति घायल हुए । आए दिन बम विस्फोट की घटनाएं दिल्ली में आम हो गई है और सामान्य नागरिकों को जीवन त्रस्त हो गया है । इन विस्फोटों में खाड़कुओं का हाथ है और यह कहा जाता है कि वे ट्रीगर बमों का प्रयोग करते हैं जब कि अन्य आतंकवादी फ्यूज बमों का प्रयोग करते हैं । कल और परसों जामा मस्जिद और लाल किले के पास बस में जो दुर्घटनाएं हुई हैं उसमें रशियन बम का लेबल मिला है उसमें खुदा हुआ मिला है । इस तरह से दिल्ली के नागरिकों का जीवन अस्तव्यस्त हो गया है । खाड़कू संगठन, आतंकवादी संगठन तथा विदेशी ताकतें इस देश की राजधानी में आतंक मचा कर अपने लक्ष्य को पूरा करना चाहते हैं । इसलिए मैं माननीय गृह मंत्री जी से आग्रह करूंगा कि इस संदर्भ में पुलिस को और सतर्कता विभाग को और भी चुस्त और दुरुस्त करने की जरूरत है और अगर संभव हो तो केन्द्रीय रिजर्व पुलिस के जिम्मे दिल्ली को सौंप देना चाहिए । मैं प्रार्थना करूंगा कि गृहमंत्री जी इस संबंध में स्टेटमेंट सदन में दें ताकि बम विस्फोट की घटनाएं जो आए दिन और प्रति दिन लगातार हो रही है वें बंद हो जाएं और दिल्ली के नागरिकों का जीवन त्रस्त न हो और आतंकवादियों के छाया तले दिल्ली में जो देश की राजधानी में है वहां पर इस प्रकार की घटनाएं न हों । इस लिए मैं आप के माध्यम से माननीय गृह मंत्री जी से प्रार्थना करूंगा कि यह बड़ी चिन्ता की बात है । शुरू से ही दिल्ली में बराबर आतंकवादी एक्टिविटिज चलती आ रही हैं । सरकार की तरफ से सारी व्यवस्थाएं की जाती हैं वह हिन्दू, मुसलमान सब का सदभाव मिटाकर निरीह बच्चों और विदेशी नागरिकों तक को काल के गाल में डाल रहे हैं । आज राजधानी में बम विस्फोट से जन-जीवन त्रस्त है । हो सकता है कि संसद में भी एक दिन बम फट जाए । इसलिए मैं प्रार्थना करता हूं कि जैसे भी हो गृहमंत्री जी इस पर सारी सूचनाएं लेकर कि वें इस संबंध में क्या उपाय कर रहें हैं, यह सदन को बताएं और एक स्टेटमेंट देकर इस संदर्भ में सारी जिज्ञासाओं को शांत करें । धन्यवाद ।

THE VICE-PRESIDENT , (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR J.Mr. Home Minister, would you like to respond?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S. B. CHAVAN): I hare taken note of what he has said.

श्री राम नरेश यादव (उत्तर प्रदेश) : महोदय, डा० रत्नाकर पाण्डे जी ने दिल्ली में होने वाली जिन घटनाओं का उल्लेख किया है वे बहुत ही चिंतनीय हैं। देश की राजधानी में इस तरह की घटनाएं हों इससे बढ़ाकर चिंताजनक कोई बात हो नहीं सकती ।

उपसभाध्यक्ष (श्री भास्कर अन्नाजी मासोदकर) यादव जी सुनिए, होम मिनिस्टर साहब क्या कह रहे हैं । सुनिए । Pleas, sit down. The Home Minister is saying something.

श्री शंकर दयाल सिंह (बिहार) : एक सकेंड । आपने डा० रत्नाकर पाण्डेय जी को समय दिया । बहुत अच्छी बात उन्होंने कही ।

उपसभाध्यक्ष (श्री भास्कर अन्नाजी मासोदकर) : अच्छी बात नहीं, बहुत दुखदायक बात कही ।

श्री शंकर दयाल सिंह : एक मिनट सुनें। जो बातें उन्होंने कही वह बहुत चिंतनीय हैं । दिल्ली में जिस तरह की आतंकवादी घटनाएं हो रही है वह चिंता का विषय है । लेकिन आज अखबारों में मुख पृष्ट पर आया है कि इस चिंता से दिल्ली की जनता को राहत दिलाने के लिए सरकार ने दिल्ली के लेफ्टीनेंट गवर्नर श्री मार्कन्डेय सिंह को हटाया है । क्या सरकार आश्वासन देगी कि जिन दूसरे राज्यों में इस प्रकार की आतंकवादी घटनाएं हो रही हैं, वहां भी इसी कड़ाई के साथ सरकार कदम उठाएगी ?

THE VICE CHAIRMAN (SHRI BHAS. KAR ANNAJI MASODKAR): This does not arise out of this.

श्री शंकर दयाल सिंह : और क्या सरकार आश्वासन देगी कि जो नए लेफ्टीनेंट गवर्नर आयेंगे उनके रहते इस प्रकार की कोई घटना नहीं होगी, मैं सरकार से यह भी जानना चाहूंगा ?

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): Let him make the statement. Pandeyji, please sit down. Please take your seat. Let the Home Minister respond.

SHRI S. B. CHAVAN; Sir, I fully agree with my honourable friend, Shri Ratnakar Pandey. It is a matter of great concern to the Government also that such a thing should ever happen in this city. The matters are under investigation and unless we get some kind of a clue, it will not be proper on my part to make and kind of statement before the investigation are completed.

SHRI DOVI0 LEDGER (Assam): Sit with deep anguish and distress, I beg to state that the administration of Assam has been handed over to the Army. Sir if I remember correctly, the honourable Home Minister, who is present here now had categoricially stated on the flood of this House that the Army had been sen to Assam to aid and assist the civil autho rities. It is surprising to note that the Chief Minister of Assam has today publicly stated that the "Opereation Rhino II was launched in Nalbar* and Darrang district without his knowledge and without *thi* knowledge of the State administration o the concerned district administration.

THE VICE-CHAIRMAN (SHR BHASKAR ANNAJI MASODKAR: Please make your point briefly.

SHRI DAVID LEDGER: I am comin to my point.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR It is because this is not a Special Met tion, but this is a *Zero* Hous matter.

SHRI DAVID LEDGER; Sir, it Chief Minister is pleading ignorance abot the goings-on in this State with regai to matters of Army operation and becau of this, people have lost their lives, inn cent people have lost their lives and 1 has no moral right to remain in powe 'May I submit, Sir, that there *is* tot abdication of responsibility on the part the Chief Minister and also the Sta

Government? Two innocent people have lost their lives. The Army resorted to unprovoked firing on a marrige party in which a veterinary doctor, Dr. Jayanta Saikia, and a veterinary student, who had come all the way from Sikkim to study veteraiary science in the college there, had lost their lives. I demand that a proper judicial inquiry be instituted against the killing of the innocent people and I also demand that the Chief Minister of Assam besacked forthwith. Thank you, Sir.

THE LEADER OF THE OPPOSITION (SHRI S. JAIPAL REDDY): Sir, may I make a suggestion? Can we dispense with the lunch hour today so that the business can be transacted?

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): We have not come to the lunch hour as yet.

SHRI S. JAIPAL REDDY; As an Opposition Member, I am making this suggestion.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): That is all righf. But we are beginning the Session only today and I do not know whether we can do it now.

श्री भूपेन्द्र सिंह मान (नाम-निर्देशन): वाइस-चेयरमैन सर, मैं उस मद्दे पर बात करने वाला हूं जिसके बारे में हम सब को बहुत चिंता होनी चाहिए और इसका ध्यान रखना चाहिए। पंजाब और हरियाणा में गेहूं की फसल आ गई है । सरकार ने सपोर्ट प्राइज फिक्स की है । सपोर्ट प्राइज का मतलब होता है कि अगर उससे भाव कम होंगे तो सरकार किसानों की मदद पर आयेगी, एक ओर दूसरा जोनल रिस्ट्रिक्शन व्हीट की मूवमेंट पर कहीं नहीं है, वह टूट गया है । और तीसरा इस वक्त इस देश में खुलेपन की पालिसी चल रही है । कोई भी चीज कहीं ले जा सकते हैं । चौथा यह कि इस देश में विधान का, कानून का राज है । इन चारों बातों को देखते हुए मैं आप से यह कहना चाहता हूं और सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं कि पंजाब में गेहूं मंडियों में आई है । वह कहीं भी जा सकती है । सपोर्ट प्राइस से नीचे गिरे तो सरकार खरीदे लेकिन जब कोई व्यापारी उस गेहूं को सपोर्ट प्राइज के ऊपर खरीदता है तो सरकार ऐसे हथकंडे अख्तियार करती है कि उससे ऊपर उसको खरीदने नहीं देती है । जैसे अगर कोई आढ़ती ज्यादा कीमत पर किसी व्यापारी को बेचे तो उसका लाइसेंस कैंसिल करना है यह बहुत जरूरी बात है आप इसको समझते हैं कि यह जरूरी नहीं है । पंजाब और हरियाणा के किसान इस वक्त इतने एजीटेटड हैं । वह देख रहे है कि हम तो जैसे गुलाम बने हुए हैं । यह बात बहुत गम्भीरता से ली जानी चाहिए । जहां तक मवमेंट का सवाल है, जब कोई ट्रक के ऊपर गेहूं लोड करता है तो हलांकि मवमेंट कंट्रोल आर्डर कोई नहीं है, रिस्ट्रिक्शन कोई नहीं है, कहीं भी ले जा सकते हैं, ट्रक वालों को पकड़ कर के चलान किया जाता है कि तुम्हारी लाइट नहीं है, ब्रेक वत्ती नहीं है, कागज़ दिखाओ, उसको हर तरह से हरास किया जाता है । कानून में जो सुविधा दी गई है कि वह अपना गेहूं कहीं भी ले जा सकता है लेकिन गैर कानूनी ढंग से उसको पुलिस वाले और सरकार रोकती है, तंग करती है, आगे नहीं ले जाने देती है । एफ० सी० आई० वाले या दूसरे प्रोक्योरमेंट एजेंसियां जो गेहूं प्रोक्योर करती है, जब वहां प्रोक्योर करने के लिए जाते हैं (व्यवधान)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): You are in zero hour. This is not a Special Mention,

श्री भूपेन्द्र सिंह मान : मैं इसलिए कह रहा हूं कि गेहूं मंडियों में आई है। किसानों की करोड़ों रुपये की लूट हो रही है । सरकार जान बूझ कर के यह लूट कर रही है । सरकार को ऐसा नहीं करना चाहिए, क्या हमें यह कहने का

[श्री भूपेन्द्र सिंह मान :]

हक नहीं है ? इस वक्त पंजाब और हरियाणा में जो सरप्लस गेहूं है वहां का किसान यह सोचे कि जैसे हम गुलाम हैं, हमारा कोई हक नहीं है कि हम गेहूं बाहर ले जा सके, क्या हम कोई दूसरे देश में रहते हैं ? इसलिए यह सोचने वाली और बड़ी गम्भीर बात है । पहले ही सेंटीमेंट ऐसे बढ़े हुए हैं पंजाब में । आपने पंजाब में गेहूं का भाव 280 रुपये प्रति क्विंटल दिया है और बाहर 450-500 रुपये का भाव चल रहा है तो हमें क्यों नहीं ले जाने दिया जाता है। फिर कानूनी ढंग से पाबंदी लगाई गई है कि ढाई सौ क्विंटल से ज्यादा गेहूं नहीं खरीद सकते, ट्रक नहीं ले जा सकते सरमाया देने पर पाबंदी लगाई गई है । यह सारी गैर कानूनी पाबंदी जो लगाई गई है यह सिर्फ किसानों को लूटने के लिए लगाई गई है । मैं यह कहना चाहूंगा कि इस लूट को बंद करना चाहिए । सदन के सभी सदस्यों को चाहिए कि वह सरकार से यह कहे कि यह गैर कानूनी, गैर-वैधानिक हथ कंडों को सरकार को इस्तेमाल नहीं करना चाहिए । जब कोई बोन नहीं है तो फिर गेहूं को बाहर जाने से क्यों रोका जा रहा है ? यह गैर कानूनी है, गैर वैधानिक है ।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): Pleaae conclude.

श्री भूपेन्द्र सिंह मान : इससे लोगों के जो वहां सटीमेंटस है, उनसे लगता है कि जैसे किसी और देश की गेहूं किसी और देश में जाने वाली है । क्या हम कोई इंटरनेशनल बार्डर क्रास कर रहे हैं ? अगर गेहूं पंजाब से दिल्ली लायेंगे या महाराष्ट्र ले कर जाएंगे तो क्या दूसरे देश में ले जाने वाले हैं ? क्यों हमें ऐसा लगता है ? हमें ऐसा क्यों नहीं करने दिया जाता है ?

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): Mr. Mam, please conclude. You have made the point.

श्री भूपेन्द्र सिंह मान : इसलिए मैं चाहूंगा, यह इतना गम्भीर मामला है, इसको आप लाइटली न लें, इसको गम्भीरता से लिया जाए । इससे जो मेसेज जा रहा है लोगों को वह बहुत गलत मेसेज जा रहा है । हरियाणा और पंजाब की ऐसी जो स्थिति पैदा हुई है, हमेशा उनकी इकोनोमिक हालत खराब रही है क्योंकि किसानों को कुछ करने नहीं दिया जाता है । यह टेंडर दिया गया कि सरकार यह चाहती है कि गेहूं बाहर से मंगवाया जाए और यहां के किसानों ने सरकार को टेंडर दिया कि हम चार सौ रुपये प्रतिक्विंटल जितना आप चाहो उतना गेहूं आपको देने के लिए तैयार हैं लेकिन कोई हिसाब की बात हो ।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): Mr. Mann, let us not dilate on it.

श्री भूपेन्द्र सिंह मान : क्यों हम ऐसा मैसेज देते हैं जिससे यह पता चले कि उनको लूटा जा रहा है, यह लूट बंद होनी चाहिए ।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): Please sit down. Government has taken note of it.

श्री महेन्द्र सिंह लाठर (हरियाणा) : उपसभाध्यक्ष महोदय, यह बड़ा गम्भीर मामला है । (व्यवधान)

श्री राम भरेश यादव : यह बहुत ही गम्भीर मसला है । किसानों की खुली लूट हो रही है । किसानों के साथ ज्यादती हो रही है और मैं समझता हूं कि यह पूरे देश में के साथ ज्यादती हो रही है । ऐसी स्थिति में सरकार को चाहिए कि इस बात को देखे कि किसानों की लूट बंद होनी चाहिए । मार्केट में जो गेहूं का भाव है, उसी दाम पर सरकार को खरीदने की व्यवस्था करनी चाहिए ।

1-00 PM

श्री महेन्द्र सिंह लाठर : (व्यवधान) और सिविल सप्लाई के महकमे का

दुरुपयोग किया जा रहा है ... (व्यवधान) किसानों के अनाज की लूट हो रही है। मैं सपोर्ट करना चाहता हूं जो मान साहब ने कहा है । सरकार को चाहिये कि इस स्थिति के बारे में, गेहूं की चीज के के बारे में इस हाउस के अंदर एक बायन दे और जो किसानों को रगड़ा मारा जा रहा है ... (व्यवधान)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJT MASODKAR): You associate with the feelings of Mr. Mann.

श्री महेन्द्र सिंह लाठर सरकार उसके लिए जिम्मेवार है । हरियाणा और पंजाब सारे देश को गेहूं सप्लाई करता है । वाईस चेयरमैन सर यह इतना इम्पार्टेंट इश्यू है कि इसके ऊपर आग लग सकती है । हरियाणा और पंजाब के किसान गहूं पैदा करना बंद कर देंगे अगर उनके दाम उनको नहीं मिले । हम अमेरिका से साढ़े चार सौ ... (व्यवधान) पर खरीद सकते हैं लेकिन अपने किसानों को ठीक मुआवजा नहीं दे सकते, उसका उसका पैसा नहीं दे सकते । यह जो मामला उठाया है मान साहब ने यह इतना गम्भीर मामला है कि सारे हाऊस को इसके साथ ऐसोसिएट करना चाहिए और सरकार को आकर बयान देना चाहिए ।

SHRI JOHN F. FERNANDES (Goa): Sir, I want to raise a small matter here, *(Interruptions)*

श्री शंकर दयाल सिंह उपसभाध्यक्ष महोदय, जो कुछ मान साहब और दूसरे साथियों ने उठया है हम लोग भी इसके साथ एसोसिएट करते हैं । केवल यह हरियाणा और पंजाब के ही किसानों का मामला नहीं है बल्कि पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और दूसरी सारी जगहों का है जहां कहीं भी रबी की सफल हो रही है, जहां धान की फसल बरबाद हुई है । लोगों की सारी माली हालत कायम होती है गेहूं और रबी की फसलों पर... (व्यवधान) हम लोग इसलिए एसोसिएट कर रहे हैं... (व्यवधान) देखिए, आपने खुद कहा कि सारा हाउस करे। कांग्रेस के लोग चुप हैं कोई उधर से अभी ... (व्यवधान)

श्री राम नरेश यादव: किसानों का जो यह सवाल है... (व्यवधान) हमारे ही लोगों ने उठाया... (व्यवधान)

श्री शंकर दयाल सिंह: यादव जी, सरकार चुप है । माफी कीजिएगा । कांग्रेस शब्द हटा लिया है । सरकार चुप है । हमको इसलिए बोलना जरूरी था मान्यवर कि लोगों को यह जानकारी होनी चाहिए कि सभी दूसरी मेजर पार्टीज के लोग इसमें सहमती रखते हैं इसलिए हम लोग भी इसका साथ देते हैं ।

एक माननीय सदस्य: गेहूं का आयात बद कर दिया है ।

SHRI JOHN P. FERNANDES: Sir...

THE VICE-CHAIRMAN: (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): You are also associating?

SHRI JOHN F. FERNANDES: Want to raise is a -mall matter.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNANI MASODKAR): No, no. It is not permitted, Mr. Fernandes.

SHRI JOHN F. FERNANDES: It is a small matter, Sir. *{Interruptions)*

SHRI VITHALBHAI M. PATEL (Gujarat): Sir, you should ask the Government to make a statement. Why is this restriction? The State Govern-ment has no right to put the restriction (Interruptions)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): Mr. Jacob, the demand is that on this issue raised by Mr. Mann, the Gowt-ment should make a statement. AH the Parties are saying it, includings your

[Shri Bhaskar Annaji Masodkar]

own Party. If you want to respond... *{Interruptions)*

SHRI P. UPENDRA (Andhra Par-desh): Are we dispensing with the Special Mentions?

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): They are already allowed...

SHRI JOHN F. FERNANDES: Sir, about the realignment of Konkan Rail-day, yesterday there was a peaceful demonstration. People were demanding the realignment of Konkan Railway from the coastal land to the hinterland. *{Interruptions)* .

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHASKAR ANNAJI MASODKAR): Let us proceed with the Special Mentions. *{Interruptions)* Mr. Mathur, I am ruling in your favour. I am ruling that we proceed with the Special Mentions. Shri Upendra. *{Interruptions)* Mr. Fernandes, please sit down. I have indent!-fied Mr. Upendra .

## SPECIAL MENTIONS

### Agitation by tobacco growers in Andhra Pradesh

SHRI P. UPENDRA (Andhra Pradesh) : Mr. Vice-Chairman, Sir, I would like to refer the problem's faced by the tobacco growers of Andhra Pradesh. There has been some serious agitation for the last two weeks or more in Andhra Pradesh. Thousands of farmers have surrounded the Tobacco Boards office at Guntur. And there is serious unrest in the State.

Sir, at the beginning of the marketing season ths year, in the first week of March, the average rate for F-I and F-2 grades of tobacco was around Rs. 33 per cent per kg. Sir, suddenly it fell to Rs. 26, and there is no reasons for that because whereas last year the export price was Rs. 39 per kg., the traders this year are getting Rs. 60 per kg. because of fluctuation in the exchange rate and other factors. In spite of that, they are not prepared to share the profits with the farmers. The traders attribute this slump to the ex cess production this year whereas the Tobacco Board says that the export or ders following the protocal signed with the Russian, Federation have not been implemented. As a result, the purchases have come to a standstill. The Russion Government so far contracted only for 15 million kgs. of tobacco .....

SHRI VITHALBHAI M. PATEL (Gujarat): It is 25 million.

SHRI P. UPENDRA: Twentyfive mil lion was agreed to but only 15 million they have contracted so far, and the far mers have demanded that the remaining ten million Kgs. of leaf tobacco and three million kgs. of cigarettes also should be completed. All this trouble started because the traders have spread a word that the demand for tobacco this year would be 170 million kgs. both internal and for export, and this was supported by Mr. Chidambaram, Minister of Com merce, when he visited Guntur in De cember last year, stating that the farmers could produce as much as 150 million kgs, of tobacco and there is enough market for that. Believing this, the far mers extended the area of tobacco cul tivation. But in spite of that, the rate has fallen, and it has led to agitation; auctions have been suspended and nego tiations started. The main demands of the farmers are, they want immediate release of the remaining 13 million Kgs. of Russian orders and they want *'GTC* and the Tobacco Board to intervene in such situations. There is a Tobacco Growers Cooperative Union there, and they want that they should be given some margin money so that they can also in-Wvene when such situation arises. They also want the Tobacco Board to be re-aonstituted with proper representation to the growers on the Board, because the Board is oblivious to the troubles faced by the tobacco farmers. After a long agitation, ultimately, representations were made to the Prime Minister and also some of the Members of Parliament met the Commerce Minister. As a re-